कविता का मुख्य संदेशः

इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि-

1.हर सफलता के पीछे कठिन परिश्रम होता है।

2.हमें अपने कार्य और योगदान पर गर्व करना चाहिए।

3.सपने तभी पूरे होते हैं जब हम उनके लिए मेहनत करते हैं।

4.समाज और देश के निर्माण में हर व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

पंक्ति दर पंक्ति व्याख्या

नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है,
यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है,
मेरी भी आभा है इसमें।"

व्याख्याः

इन पंक्तियों में कवि एक नए युग और नई शुरुआत की कल्पना करते हैं। नया गगन और नया सूर्य केवल प्रकृति का वर्णन नहीं है, बल्कि यह नई आशा, नए विचार और विकास का प्रतीक है। कवि कहते हैं कि आज हमारा समाज, हमारा देश और यह संसार जो उन्नति कर रहा है, उसमें उनका भी छोटा-सा योगदान शामिल है। जिस प्रकार सूर्य अपनी रोशनी से पूरे संसार को प्रकाशित करता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्म और मेहनत से समाज में प्रकाश फैलाता है।

भीनी-भीनी खुशबू वाले,

रंग-बिरंगे

यह जो इतने फूल खिले हैं।”

व्याख्या:

कवि यहाँ सुंदर और सुगंधित फूलों का वर्णन करते हैं। ये फूल केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं दिखाते बल्कि सफलता, खुशहाली और उपलब्धियों के प्रतीक हैं।

कवि समझाना चाहते हैं कि आज जो खुशियाँ और सफलताएँ हमें दिखाई देती हैं, वे अचानक प्राप्त नहीं होतीं। उनके पीछे किसी की मेहनत, देखभाल और समर्पण होता है।

कल इनको मेरे प्राणों ने नहलाया था,

कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था।”

व्याख्या:

इन पंक्तियों में कवि अपने संघर्ष और सपनों की बात करते हैं।

वे कहते हैं कि आज जो फूल खिले हुए दिखाई दे रहे हैं, उन्हें उन्होंने अपने प्रेम और मेहनत से सींचा था। यहाँ फूल आने

वाले उज्ज्वल भविष्य और सफलता का प्रतीक हैं।

कवि यह संदेश देते हैं कि बड़े सपनों को पूरा करने के लिए

निरंतर प्रयास करना पड़ता है। आज की उपलब्धियाँ कल की मेहनत का परिणाम होती हैं।

कवि गर्व के साथ कहते हैं कि इस सुंदर संसार और विकास में उनकी भी चमक शामिल है।

पकी सुनहली फसलों से जो अबकी यह खलिहान भर गया।
मेरी रग-रग के शोणित की बूँदें इसमें मुसकाती हैं।"

व्याख्याः

यहाँ कवि किसान और उसकी मेहनत का उदाहरण देते हैं।

जिस प्रकार किसान दिन-रात मेहनत करके खेतों में फसल उगाता है और बाद में वही खेत सुनहरी फसलों से भर जाते हैं, उसी प्रकार इंसान की मेहनत भी एक दिन सफलता में बदल जाती है।

सुनहरी फसल यहाँ परिश्रम के मीठे फल का प्रतीक है।